Activities

2019-20

हिंदी विभाग गतिविधियाँ
2019-20

नांक	गतिविधियाँ	गतिविधि में सम्मिलित छात्र
1. अगस्त 7, 2019	समूह-चर्चा	47
2. 14 सितम्बर 2019	हिंदी दिवस (निबंध, कविता-पाठ, भाषण)	76
3. 11 नवम्बर 2019	'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' (मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता	55
4. 10 जनवरी 2020	अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस (निबंध, कविता, भाषण)	50
5. 22 फरवरी 2020	हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा मातृभाषा दिवस (भाषण, कविता-पाठ)	35
6. 3 मार्च 2020	विस्तृत व्याख्यान "भाषा विज्ञान" विषय पर (डॉ. नरेश मिश्र)	80
7. 6 मार्च 2020	विस्तृत व्याख्यान "काव्यशास्त्र" विषय पर (डॉ. विजय वेदालंकार)	40
8. 14 मई 2020	ऑनलाईन निबंध लेखन (राज्य स्तरीय) प्रतियोगिता कोविड-19 के विषय पर आयोजित की गई जिसमें विभिन्न कॉलेजों से विद्यार्थियों ने भाग लिया।	21

समूह चर्चा

7 अगस्त 2019 को समूह चर्चा में भाग लेने वाली छात्राओं को संबोधित करती श्रीमती प्रमिला देवी।

हिन्दी दिवस

14 सितंबर 2019 को हिंदी दिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएँ।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

मौलाना अबुल कलाम आजाद को किया याद

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेतीं छात्राएं ● जागरण

संवाद सहयोगी, खरखौदा : कन्या कॉलेज में सोमवार को मौलाना अबुल कलाम आजाद को याद करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुरेश बूरा ने कहा कि 2008 से प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी व शिक्षाविद् मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस को मानव संसाधन मंत्रालय, नई दिल्ली के आदेश पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 1888 में स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्म हुआ था, उन्हें स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद्, लेखक के रूप में जाना जाता है। मौलाना अबुल कलाम आजाद एक शिक्षाविद् तो थे ही साथ ही एक स्वतंत्रता सेनानी भी थे। स्वतंत्रता संग्राम के समय वो ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे। शिक्षामंत्री रहते हुए उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की स्थापना की थी।

उनका मुख्य लक्ष्य प्राइमरी शिक्षा को बढ़ाना था। उन्हें 1992 में भारत रत्न से भी नवाजा गया था। भारत की आजादी के बाद मौलाना अबुल कलाम ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की स्थापना की थी। इस दौरान छात्राओं ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें संगिता, कीर्ति, खुशी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

हिंदू-मुस्लिम एकता के पक्षधर थे अबुल कलाम : दांगी

संस, गोहाना : आजाद हिंद देशभक्त मोर्चे के संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद न केवल स्वतंत्रता सेनानी अपितु पत्रकार, कवि और लेखक भी थे। वे हिंदू-मुस्लिम एकता के सशक्त पक्षधर थे और 1947 में धर्म के आधार पर देश के विभाजन के सख्त खिलाफ थे। दांगी शहर में काठमंडी स्थित विश्वकर्मा स्कूल में अबुल कलाम की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

आजाद दांगी ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद स्वतंत्र भारत के सर्वप्रथम शिक्षा मंत्री बने। अबुल कलाम आजाद 1923 में सबसे छोटी उम्र के कांग्रेस के अध्यक्ष बने। वह 1952 में हुए प्रथम लोकसभा चुनावों में सांसद निर्वाचित हुए, जिसके बाद उन्हें नेहरू मंत्रिमंडल में देश का सबसे पहला शिक्षा मंत्री बनाया गया। दांगी ने कहा कि हमें उनके आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए। इस मौके पर संदीप, बबली, गीता, अर्चना, सोनिया, पूनम, कोमल, निशा, मोनिका, मीना मौजूद रहे।

महाविद्यालय के हिंदी विभाग में 11 नवंबर 2019 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मैडम प्रमिला, प्रियंका और सुशीला की देखरेख में मनाया गया। इस अवसर पर निबंध लेखन, भाषण, पेंटिंग के माध्यम से मौलाना अबुल कलाम आजाद को याद किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस

10 जनवरी 2020

10 जनवरी 2020 को अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं छात्राएँ।

मातृभाषा दिवस

22 फरवरी 2020

छात्राओं को बताया मातृभाषा का महत्व

मातृभाषा पर विचार प्रस्तुत करती छात्रा।

खरखौदा, 22 फरवरी (शर्मा): कन्या महाविद्यालय खरखौदा में हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी साहित्य परिषद के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। हिन्दी विभाग से सम्बद्ध डा. प्रियंका व सुशीला ने छात्राओं को मातृभाषा का महत्व बताया। प्रमिला ने बताया कि वर्ष 1999 से यूनेस्को ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। छात्राओं ने कविता पाठ और भाषण के माध्यम से मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रा संजीता, कविता, पूजा व निशा आदि ने मातृभाषा पर विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर डा. नमिता, डा. सुमिता, डा. सुषमा व डा. रमेश आदि उपस्थित रहे।

22 फरवरी 2020 को हिंदी विभाग के तहत "हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा" मातृभाषा दिवस मनाया गया।

रिपोर्ट

22/2/2020

कन्या महाविद्यालय, खरखौदा में 'हिंदी विभाग' द्वारा 'हिंदी साहित्य परिषद' के अंतर्गत 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' मनाया गया। जिसमें हिंदी विभाग के सदस्यों श्रीमती प्रमिला, डॉ० प्रियंका और सुशीला ने छात्राओं को अपनी मातृभाषा के महत्व के बारे में बताया। श्रीमती प्रमिला ने बताया कि वर्ष 1999 से यूनेस्को ने 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाना आरंभ किया।

इस अवसर पर छात्राओं ने कविता पाठ और भाषण के माध्यम से मातृभाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रा संजीता, कविता, पूजा, निशा आदि छात्राओं ने मातृभाषा विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम में डॉ० नमिता, डॉ० सुमिता, डॉ० सीमांत, डॉ० सुषमा, डॉ० रमेश आदि भी उपस्थित रहे और छात्राओं के विचारों को सुना।

for Principal
Kanya Mahavidyalay
Kharkhoda

विस्तृत व्याख्यान

वैज्ञानिक भाषा होने का गौरव है हिंदी : मिश्र

खरखौदा। शहर के कन्या कॉलेज में मंगलवार को हिंदी विभाग की ओर से व्याख्यान आयोजित किया गया। इस मौके मुख्यातिथि के रूप में मदवि रोहतक और हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष रहे प्रोफेसर नरेश मिश्र पहुंचे। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं, बल्कि एक विज्ञान भी है। हिंदी विश्व की सभी भाषाओं में सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा होने का गौरव ऐसे ही नहीं रखती। हिंदी भाषा में वह ताकत है कि यह जैसी लिखी जाती है वैसे ही बोली भी जाती है। उन्होंने कहा कि इसकी वर्णमाला, उच्चारण स्थान, भाषिक इंकाई, पारिभाषिक शब्दावली और वर्णों के उच्चारण में में शारीरिक अंगों की सक्रियता अपने आप में निराली है। इस दौरान प्रोफेसर नरेश मिश्र की ओर से प्रोफेसर हरिशंकर आदेश की रचना श्रीराम पर लिखी गई भूमिका की पुस्तक का प्राचार्य डा. सुरेश बूरा ने विमोचन भी किया। इस दौरान हिंदी विभाग की सदस्य डा. प्रियंका, सुशीला सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। *संवाद*

3 मार्च 2020 को 'भाषा विज्ञान' विषय पर डॉ. नरेश मिश्र द्वारा विस्तृत व्याख्यान दिया गया।

हिन्दी सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा : नरेश मिश्र

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी साहित्य परिषद व मूल्यवर्धित कोर्स के बारे में विस्तृत व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. सुरेश बूरा ने की। विस्तृत व्याख्यान देने के लिए प्रोफेसर नरेश मिश्र को आमंत्रित किया गया था। प्रोफेसर नरेश मिश्र ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं, अपितु एक विज्ञान भी है। विश्व की सभी भाषाओं हिन्दी सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा है। इसकी वर्णमाला, उच्चारण स्थान ,भाषिक इकाई, पारिभाषिक शब्दावली, वर्णों का उच्चारण शारीरिक अंगों की सक्रियता के कारण ही विश्व स्तर पर हिंदी की लोकप्रियता कायम है। इस अवसर पर डा. प्रियंका, सुशीला, प्रमिला व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

विस्तृत व्याख्यान

3 मार्च 2020 को 'भाषा विज्ञान' विषय पर विस्तृत व्याख्यान देते डॉ. नरेश मिश्र।

विस्तृत व्याख्यान

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र पर कन्या महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय में हिंदी साहित्य परिषद के तत्वावधान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुरेश बूरा ने की। कार्यक्रम में जीवीएम कॉलेज सोनीपत के प्रोफेसर डॉ. विजय कुमार वेदालंकार को आमंत्रित किया गया। डा. वेदालंकार ने भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र पर कहा कि काव्य लेखन के संदर्भ में जिस रस व आनंद की अनुभूति होती है, वह ब्रह्मानंद सरोवर के समान है। महाविद्यालय के एक अन्य कार्यक्रम में बुटाना योगा कोच श्रीनिवास ने महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में कहा कि व्यस्त जीवन में कुछ समय यदि हम योग व ध्यान क्रिया करते हैं, तो हम बहुत से रोगों से बच सकते हैं। इन क्रियाओं के करने से मानसिक तनाव से भी दूर रहते हैं। उन्होंने छात्राओं को योग भी कराए। इस मौके पर प्रमिला, प्रियंका, सुशीला, सारिका, रमेश व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा है।

6 मार्च 2020 को 'काव्यशास्त्र' विषय पर डॉ. विजय कुमार वेदालंकार (जी. वी. एम. गर्ल्स कॉलेज) द्वारा विस्तृत व्याख्यान दिया गया।